हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 20 अप्रैल 2026, समय 13:05 (5 मिनट)

****

केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय ने **'विश्व सूत्र –भारत की बुनाई दुनिया के लिए'** नाम से एक पहल शुरू की है। इस पहल पर आधारित एक डिज़ाइनर कलेक्शन ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित 61वें फेमिना मिस इंडिया में पेश किया गया।

इस पहल को विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी के सहयोग से तैयार किया है। इसका मकसद भारतीय हथकरघा को एक समकालीन वैश्विक डिज़ाइन के दायरे में पेश करना है।

इस पहल के तहत, देश भर से 30 अलग-अलग तरह की हथकरघा बुनाइयों को एक साथ लाया गया है। इन बुनाई को विश्व भर से ली गई डिज़ाइन की प्रेरणाओं के साथ रचनात्मक ढंग से नया रूप दिया गया है।मंत्रालय ने कहा कि यह पहल सरकार के 'लोकल से ग्लोबल' की परिकल्पना और प्रधानमंत्री के फ्रेमवर्क – 'खेत से रेशे तक, रेशे से कारखाने तक, कारखाने से फैशन तक और फैशन से विदेश तक' – को उजागर करती है। यह सांस्कृतिक विरासत को सहेजने, टिकाऊ आजीविका पैदा करने और वैश्विक कपड़ा व फैशन बाज़ार में भारत की मौजूदगी को मज़बूत करने में हथकरघा क्षेत्र की भूमिका पर केंद्रित है।

****

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि "लोकतंत्र में जिम्मेदार व्यवहार अपेक्षित होता है, लेकिन नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे ऐतिहासिक विधेयक पर विपक्ष ने गंभीर चर्चा करने के बजाय केवल राजनीतिक बयानबाजी की।"

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एवं अन्य दलों ने परिवारवाद और राजनीतिक स्वार्थ के कारण इसका विरोध किया।

वे कल भारतीय जनता पार्टी के चंडीगढ़ प्रदेश कार्यालय कमलम में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह एक संवैधानिक संशोधन विधेयक है, जिसके लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है और जनसंख्या के अनुरूप परिसीमन कर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को और प्रभावी बनाना जरूरी है।
उन्होंने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि "कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध कर अपने दोहरे चरित्र को उजागर कर दिया है। एक ओर ये महिलाओं के सशक्तिकरण की बात करते हैं, जबकि दूसरी ओर जब उन्हें वास्तविक अधिकार देने का अवसर आता है तो पीछे हट जाते हैं।"

वहीं, पत्रकार वार्ता में मौजूद हरियाणा की वरिष्ठ भाजपा नेत्री किरण चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के लंबे शासनकाल में, महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को वास्तविक रूप से लागू नहीं किया गया।
उन्होंने कहा कि "2010 में पूर्ण बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस ने इस विधेयक को लोकसभा में पारित नहीं कराया, जो उनकी नीयत पर सवाल खड़ा करता है। कांग्रेस ने महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया।
श्रीमती चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अनेक योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव लाया है।
उन्होंने संसद में हुए घटनाक्रम पर दुख जताते हुए कहा कि "महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर जिस प्रकार का व्यवहार विपक्ष ने किया, वह देश के इतिहास में एक काला अध्याय है।
****

भारतीय परिवार नियोजन संघ की पंचकूला शाखा द्वारा कल सुनहरी शाम कार्यक्रम के चौथे संस्करण का आयोजन कर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। 'हर वॉयस, हर च्वायस' के थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को उनके अधिकारों के इलावा यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया गया।कार्यक्रम में लगभग 500 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया।

****

चंडीगढ़ प्रशासन के सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सचिव श्रीमती अनुराधा चागती के मार्गदर्शन में
"बाल विवाह मुक्त भारत" विषय पर 100-दिवसीय अभियान चलाया गया। "बाल विवाह मुक्त चंडीगढ़" थीम पर आधारित इस अभियान का उद्देश्य बाल विवाह के सामाजिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य एवं कानूनी दुष्प्रभावों के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना था।
अभियान के दौरान चंडीगढ़ में कुल 131 जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें समुदाय एवं विभिन्न विभागों के 47,962 व्यक्तियों ने भाग लिया।

****

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में भाग लेने वाले प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अपने आपराधिक मामलों का पूर्ण विवरण सार्वजनिक करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उम्मीदवारों को अपने नामांकन पत्र में दी गई जानकारी को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखते हुए आम मतदाताओं तक प्रभावी

ढंग से पहुँचाना होगा, ताकि मतदाता जागरूक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

****